

Fish Farmers Day & Farmers Meet at ICAR-CIFE, Powarkheda Center

10th July- 2025

The Fish Farmers Day 2025 and Farmers meet, organized by ICAR-CIFE, was held at the Powarkheda center on July 10, 2025. This annual event aims to honor the contributions of fish farmers and provide a platform for discussing advancements, challenges, and innovations in the aquaculture industry. This year's celebration witnessed active participation from 40 stakeholders, including fish farmers, aquapreneurs, and hatchery owners. The main objective of the Programme was to celebrate the achievements of the farmers, To foster networking, To Share Knowledge and most importantly To Discuss Challenges faced by the stakeholders. Farmers from Rajgarh, Betul, Narmadapuram, Pipariya, Vidisha, and Khandwa districts participated in the Programme. The event commenced with a welcome address by Dr. Shashi Bhushan, OIC, Powarkheda Center who highlighted the significance of Fish Farmers Day and the role of fish farming in ensuring food security and economic development. Farmers and stakeholders shared their experiences, which were highly beneficial, as different stakeholders highlighted the needs and concerns of the fisheries sector. Some of the pressing issues which were discussed was the Hatchery operation of Pangas fish, Problems in Biofloc culture, Bio Pond culture system, Price of the fingerlings of the carps and the farmgate price of the cultured fish. Also, appreciation award ceremony honored outstanding fish farmers for their exceptional contributions to the industry. The celebration not only acknowledged the contributions of the fish farming community but also provided valuable knowledge and networking opportunities. The program was coordinated by Dr. Shashi Bhushan, Senior Scientist & Officer In-Charge, Dr. Harsha Haridas, Scientist, and Mr. Hasan Javed, Technical staff under the guidance of Dr. Shrinivas Jahageerdar, Nodal officer and Dr. N.P. Sahu, Director (Actg.), ICAR-CIFE.

आईसीएआर-सीआईएफई, पोवारखेड़ा केंद्र में मत्स्य कृषक दिवस एवं कृषक सम्मेलन

10 जुलाई- 2025

आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा आयोजित मत्स्य कृषक दिवस 2025 एवं कृषक सम्मेलन, 10 जुलाई, 2025 को पवारखेड़ा केंद्र में आयोजित किया गया। इस वार्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य मत्स्य कृषकों के योगदान का सम्मान करना और जलीय कृषि उद्योग में प्रगति, चुनौतियों और नवाचारों पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस वर्ष के आयोजन में मत्स्य कृषकों, जल उद्यमियों और हैचरी मालिकों सहित 40 हितधारकों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों की उपलब्धियों का सम्मान करना, नेटवर्किंग को बढ़ावा देना, ज्ञान साझा करना और सबसे महत्वपूर्ण, हितधारकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में राजगढ़, बैतूल, नर्मदापुरम, पिपरिया, विदिशा और खंडवा जिलों के किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पवारखेड़ा केंद्र के प्रभारी डॉ. शशि भूषण के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने मत्स्य कृषक दिवस के महत्व और खाद्य सुरक्षा एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित करने में मत्स्य पालन की भूमिका पर प्रकाश डाला। किसानों और हितधारकों ने अपने अनुभव साझा किए, जो अत्यंत लाभकारी रहे, क्योंकि विभिन्न हितधारकों ने मत्स्य पालन क्षेत्र की आवश्यकताओं और चिंताओं पर प्रकाश डाला। जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, उनमें पंगास मछली का हैचरी संचालन, बायोफ्लोक संवर्धन में समस्याएँ, बायो तालाब संवर्धन प्रणाली, कार्प मछली के फिंगरलिंग की कीमत और संवर्धित मछली की उत्पादन कीमत शामिल थे। इसके अलावा, प्रशंसा पुरस्कार समारोह में उद्योग जगत में उनके असाधारण योगदान के लिए उत्कृष्ट मत्स्य पालकों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में न केवल मत्स्य पालक समुदाय के योगदान को मान्यता दी गई, बल्कि बहुमूल्य ज्ञान और नेटवर्किंग के अवसर भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. शशि भूषण, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, डॉ. हर्ष हरिदास, वैज्ञानिक, और श्री हसन जावेद, तकनीकी स्टाफ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीनिवास जहागीरदार, नोडल अधिकारी और डॉ. एन.पी. साहू, निदेशक (कार्यकारी), आईसीएआर-सीआईएफई के मार्गदर्शन में किया गया।





